नव भारत

मौत के बाद भी मोलभाव

मर्च्युरी से शव घर ले जाने के लिए मनमाना किराया देना मजबूरी

- मौत के बाद डेडबॉडी ले जाने को हो रही सौदेबाजी
- 7 किमी दूरी के लिए किसी ने 1500, किसी ने 1200 मांगे
- स्वास्थ्य और परिवहन विभाग ने नहीं तय किया रेट

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 6 सितंबर. हमीदिया अस्पताल के शवगृह के बाहर अपनों को खोने वाले परिवारों की पीड़ा कम नहीं होती है. उससे पहले एंबुलेंस माफिया और दलालों का नेटवर्क सक्रिय हो जाता है. शवगृह के बाहर सरकारी एंबुलेंस की जगह खड़े निजी एंबुलेंस चालक परिवारों की मजबूरी का फायदा उठाने से बाज नहीं आते.

इस सौदेबाजी का आलम यह है कि डेडबॉडी को गंतव्य तक पहुंचाने के मनमाने दाम लिए जाते हैं. ग्राउंड पर जब नवभारत की टीम ने शवगृह के पास खड़े एंबुलेंस चालकों से हमीदिया अस्पताल से शव को ले जाने के लिए सीधे और फोन के जरिए संपर्क किया, तो करीब 7 से किलोमीटर की दूरी के लिए चालकों ने 1500 रुपये की मांग कर दी. जो कि मौजूदा समय में तय मानक से तीन गुना रेट से भी ज्यादा थे.

एंबुलेंस चालक ऐसे करते हैं शव ले जाने का सौदा

केस-1

पत्रकार- हमीदिया से पीएनटी तक शव के जाना है कितने पैसे लगेंगे.

चालक- 1500 रुपये लगेंगे.

पत्रकार- बहुत ज्यादा है, रेट तो कम है.

चालक- जो रेट है उसमें तो ड्राइवर का खर्चा भी नहीं निकलता, शहर में यही रेट पर गाड़ी चलती है.

केस 2

पत्रकार- शव ले जाने के लिए एंबुलेंस मिल जाएगी.

चालक- हां मिल जाएगी, कहां से चाहिए.

पत्रकार- हमीदिया से पीएंडटी चौराहा जाना है कितना खर्च आएगा.

चालक- 1200 रुपए लगेंगे, गाड़ी कब चाहिए.

केस 3

पत्रकार- हमीदिया मर्च्युरी से बॉडी ले जाना है.

चालक- कहां ले जाना है.

पत्रकार- करोंद ले जाना है, कितना लगेगा.

चालक- करोंद जाने का 1500 रुपए लगते हैं, करोंद में अंदर की तरफ जाएंगे तो चार्ज बढ़ेगा.

अस्पताल की पार्किंग में खड़ी 200 से अधिक एंबुलेंस

शवगृह के बाहर खड़े एक चालक ने बताया कि अस्पताल की पार्किंग में करीब 200 प्राइवेट एंबुलेंस हर वक्त खड़ी रहती हैं. इसलिए शव ले जाने के लिए हर समय प्राइवेट एंबुलेंस मिल जाती है.

अधिकारी बोले-एंबुलेंस चालक खुद तय करते हैं रेट

इस मामले में जिला परिवहन अधिकारी जितेंद्र शर्मा ने बताया कि कोविड के दौरान साल 2021 में एक सर्कुलर जारी कर 10 किमी के लिए 500 रुपये तय किया गया था. उसके बाद से प्रशानिक रूप से कोई नियम नहीं लाए गए हैं. इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी तय होगी.

हालांकि चालकों की मनमानी पर जब सीएमएचओ मनीष शर्मा से बात की गई, तो उन्होंने जिम्मेदारी परिवहन विभाग की बताई और कहा कि एंबुलेंस चालकों के संगठन अपना रेट खुद तय करते हैं, हमारी जवाबदेही नहीं है, लेकिन अगर अधिक पैसा वसूला जा रहा है तो मामले का संज्ञान लेकर जांच की जाएगी.

ट्रेजरी से हुए 315 करोड़ के भुगतानों की होगी जांच

आयुक्त कोष एवं लेखा ने पुलिस महानिदेशक से कार्रवाई के लिए कहा, होगी एफआईआर

नवभारत न्यूज

भोपाल, 6 सितंबर.प्रदेश में ट्रेजरी के माध्यम से किए गए संदिग्ध और कपटपूर्ण भुगतानों की अब गहन जांच कराई जाएगी.

स्टेट फाइनेंशियल इंटेलिजेंस सेल (एसएफआईसी) द्वारा प्रदेश के सभी आहरण-संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) के डेटा का विश्लेषण किया गया है. इसके आधार पर डीडीओवार कच्चे और विश्लेषित डेटा की एक्सेल शीट तैयार की गई है. अब डीडीओ कोड के आरोही क्रम में प्रत्येक सप्ताह 10 डीडीओ के डेटा का परीक्षण किया जाएगा. जांच के दौरान यदि किसी डीडीओ के भुगतान में संदिग्ध या कपटपूर्ण लेन-देन सामने आता है तो इसकी सूचना आयुक्त कोष एवं लेखा और संबंधित जिला कलेक्टर को दी जाएगी. इसके बाद संबंधित मामले में एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जाएगी. इस प्रक्रिया का उद्देश्य सरकारी राशि के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं पर समय रहते रोक लगाना है. गबन के गंभीर मामलों को देखते हुए आयुक्त कोष एवं लेखा ने पुलिस महानिदेशक से भी कार्रवाई के लिए कहा है. निर्देश दिए गए हैं कि जांच में गबन प्रमाणित होने पर पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज करते समय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की कठोर एवं सुसंगत धाराएं शामिल की जाएं. इससे दोषियों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ होगा.

315 करोड़ के लेनदेन का मामला

एसएफआईसी द्वारा वर्ष 2011 से अब तक के वित्तीय लेनदेन का नियमित डेटा विश्लेषण किया जा रहा है. इसमें 315 करोड़ रुपए की संदिग्ध राशि की जांच की जा रही है. पुरानी अवधि के आंकड़ों के विश्लेषण से 61 करोड़ रुपए के प्रमाणित गबन की वसूली भी की गई है. इसके साथ ही 162 करोड़ रुपए शासकीय बैंक खाते से सरकारी खजाने में जमा कराया गया है. एसएफआईसी के डेटा विश्लेषण के आधार पर अब तक 530 से अधिक आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है. गंभीर मामलों में संलिप्त पाए गए 22 कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया गया है. विभाग अब डेटा विश्लेषण के जरिए ऐसे मामलों की पहचान कर कार्रवाई को और व्यवस्थित करने की तैयारी में है.

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

छिंदवाड़ा. चौरई थाना क्षेत्र के तेंदनी ब्लॉक निवासी 41 वर्षीय बसोडी पिता श्याम वर्मा की जहरीला पदार्थ खाने के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई. जानकारी के अनुसार बसोडी ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था. हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा था. इसी दौरान उसकी मौत हो गई. घटना के समय बसोडी की पत्नी माया वर्मा रक्षाबंधन पर्व के चलते अपने मायके ग्राम तुम्बा गई हुई थीं. उन्हें जानकारी मिली कि उनके पति ने जहरीला पदार्थ खा लिया है और उनकी हालत गंभीर है.

मुड़वारा स्टेशन पर चैकिंग के दौरान हंगामा

- टीसी पर यात्री से धक्का-मुक्की और अभद्रता का आरोप
- घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

नवभारत न्यूज

कटनी, 6 सितंबर. कटनी मुड़वारा रेलवे स्टेशन के ओवरब्रिज पर टिकट चैकिंग के दौरान टीसी और एक यात्री के बीच विवाद का मामला सामने आया है. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

वीडियो सामने आने के बाद रेल प्रशासन की चैकिंग व्यवस्था और यात्रियों के साथ कर्मचारियों के व्यवहार को लेकर सवाल उठ रहे हैं.घटना शाम करीब 4 बजे स्टेशन के ओवरब्रिज की बताई जा रही है. आरोप है कि टिकट जांच के दौरान यात्री के पास टिकट नहीं मिलने पर टीसी और उसके बीच बहस शुरू हो गई. विवाद बढ़ने पर दोनों के बीच कथित तौर पर धक्का-मुक्की और अभद्रता हुई.

घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने इसका वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है. विवाद के बाद यात्री से कथित रूप से माफीनामा लिखवाया गया. इसके बाद उसके नाम पर 510 और 1000 रुपए की दो अलग-अलग रसीदें बनाए जाने की बात भी सामने आ रही है.

तेंदुए की खाल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

सीधी. तेंदुए की खाल के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर शिकार में प्रयुक्त औजार भी बरामद किया गया है. राजस्व आसूचना निदेशालय की कार्रवाई के बाद वन विभाग ने एक अन्य आरोपी को भी पकड़ा. वन मण्डल अधिकारी सीधी ने बताया कि 5 सितंबर 2026 को राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई), भोपाल इकाई द्वारा सीधी शहर में कार्रवाई करते हुए थार वाहन से दो व्यक्तियों को एक नग तेन्दुए की खाल के साथ पकड़ा गया. दोनों आरोपियों को अग्रिम कार्रवाई के लिए वन विभाग, सामान्य वन मण्डल सीधी के परिक्षेत्र सीधी को सुपुर्द किया गया.

मप्र उच्च न्यायालय को मिला नया मुखिया, कोगजे जल्द लेंगे शपथ

नवभारत न्यूज

जबलपुर, 6 सितंबर. मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय को नया मुख्य न्यायाधीश मिल गया है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की स्वीकृति के बाद केंद्र सरकार ने गुजरात हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट का 30वां मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है.

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 31 अगस्त 2026 को हुई बैठक में उनके नाम की अनुशंसा की थी, जिसके बाद केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय ने नियुक्ति की औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी. जस्टिस कोगजे के

अगले सप्ताह भोपाल स्थित राजभवन में राज्यपाल के समक्ष पद एवं गोपनीयता की शपथ लेने की संभावना है. उनके पदभार संभालने के साथ ही जबलपुर मुख्यपीठ सहित इंदौर और ग्वालियर खंडपीठ के प्रशासनिक संचालन की जिम्मेदारी भी उनके हाथों में आ जाएगी.

स्विफ्ट डिजायर की टक्कर से 8 वर्षीय बच्ची की मौत

सिंगरौली. वार्ड क्रमांक 38 के तुलसी ढोटी क्षेत्र में बघेल पेट्रोल पंप के पास रविवार अलसुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार की टक्कर से 8 वर्षीय आयुषी पिता अनिल कुमार शाह निवासी ढोटी गंभीर रूप से घायल हो गई. उपचार के दौरान जिला चिकित्सालय में उसकी मौत हो गई.आयुषी घर के बाहर निकली थी, तभी तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि बच्ची सड़क पर करीब 30 मीटर तक लुढ़कती चली गई. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई.

अपर ककेटो बांध के गेट खुले, पार्वती नदी में उफान

- ग्वालियर-चंबल में भारी बारिश से कई इलाके अलर्ट
- तिघरा लबालब, आवदा डैम ओवरफ्लो, दो लोग बहे

नवभारत टीम

ग्वालियर/दतिया/श्योपुर, 6 सितंबर. ग्वालियर-चंबल अंचल में लगातार हो रही तेज बारिश से नदियों और बांधों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है. ग्वालियर के अपर ककेटो बांध के गेट रविवार दोपहर खोलकर करीब 231.66 क्यूमेक पानी छोड़ा गया.

जल संग्रहण क्षेत्र में बारिश के कारण पानी की आवक बढ़ने पर

अतिरिक्त गेट खोलकर निकासी बढ़ाई जा सकती है. ककेटो से छोड़ा पानी पार्वती नदी के रास्ते हरसी बांध पहुंच रहा है. प्रशासन ने ककेटो गांव, दीवान फार्म, प्रीतम फार्म, ठेर टीकला सहित शिवपुरी के सुल्तानगढ़, नरवानी, खांदी और भवेड गांवों के लोगों को नदी से दूर रहने की चेतावनी दी है. ग्वालियर का तिघरा जलाशय भी भराव की स्थिति में पहुंच गया है. जलस्तर 737.7 फीट हो गया है, जबकि क्षमता 740 फीट है. बांध की सुरक्षा के लिए इसे 739 फीट तक ही भरा जाता है. पानी की लगातार आवक और तेज बारिश की संभावना के चलते रात तक जलस्तर बढ़ने पर गेट खोले जा सकते हैं. तिघरा के लबालब होने की खबर के बाद रविवार को बड़ी संख्या में सैलानी भी पहुंचे.

धूमेश्वर में युवक नदी में डूबा: ग्वालियर से धूमेश्वर मंदिर घूमने गए युवकों की टोली में शामिल मुकेश जाटव नहाते समय नदी के तेज बहाव में बह गया. भितरवार थाना पुलिस गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश में जुटी रही.

रपटा पार करते समय युवक बहा: शिवपुरी के सिरसौद थाना क्षेत्र के सिकरवदा गांव में 21 वर्षीय राम पुत्र राजू रावत रपटा पार करते समय तेज बहाव में बह गया था. दो दिन बाद रविवार सुबह गहलोनी के पास एसडीआरएफ ने उसका शव बरामद किया.

सिंहस्थ से पहले इंदौर को मिलेंगी नई ट्रेनें

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने स्टेशनों का किया निरीक्षण

नवभारत न्यूज़

इंदौर, 6 सितंबर. रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार रविवार को इंदौर पहुंचे. उन्होंने लक्ष्मीबाई नगर और इंदौर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर विकास कार्यों और यात्री सुविधाओं का जायजा लिया. इस दौरान उन्होंने सिंहस्थ की तैयारियों, नई ट्रेनों, शास्त्री ब्रिज, इंदौर-मनमाड़ रेल परियोजना और स्टेशनों की व्यवस्थाओं को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी.

सतीश कुमार ने कहा कि सिंहस्थ को देखते हुए रेलवे बड़े स्तर पर तैयारियां कर रहा है. उज्जैन के आस पास छह स्टेशनों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाएं बढ़ाई जा रही हैं. सिंहस्थ के दौरान देश के अलग-अलग शहरों से करीब 100 से 125 ट्रेनें चलाने की योजना है. स्टेशनों की क्षमता बढ़ाने के साथ ट्रेनों की स्टेबलिंग और परिचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है.

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन को तेजी से विकसित किया जा रहा है. यहां से सिंहस्थ के दौरान कई ट्रेनों का संचालन किया जाएगा. उज्जैन से इंदौर के बीच आने वाले अन्य स्टेशनों पर भी सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी, ताकि अधिक संख्या में ट्रेनों का संचालन संभव हो सके.

इंदौर से ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के सवाल पर सतीश कुमार ने कहा कि रेलवे इस दिशा में लगातार काम कर रहा है. इंदौर को मेमू ट्रेन भी दी जाएगी. मेमू रेक का निर्माण तेजी से चल रहा है और सिंहस्थ से पहले इंदौर को मेमू ट्रेन उपलब्ध कराने का प्रयास है. पिट लाइन और लाइन क्षमता से जुड़ी दिक्कतों को दूर किया जाएगा.

रीवा के संजय गांधी मेडिकल कॉलेज में सामने आई चिकित्सकों की एक और बड़ी लापरवाही

कुत्ते ने काटा, स्नैक बाइट का इंजेक्शन लगाया

नवभारत न्यूज नेटवर्क

रीवा, 6 सितंबर. संजय गांधी अस्पताल हर दिन कोई का कोई कांड करने का गढ़ बन गया है. शनिवार को एक जिंदा व्यक्ति को मुर्दा बनाकर अंतिम संस्कार के लिए डाक्टरों ने परिजनों को सुपुर्द कर दिया था.

इस बार तो एक कदम डॉक्टर और आगे बढ़ गए हैं. एक युवक की जान जोखिम में डाल दी थी. वह कुत्ता काटने से पीड़ित हुआ था. रेबीज का इंजेक्शन लगवाने पहुंचा था. उसे स्नेक बाइट का इंजेक्शन लगा दिया गया. युवक का नाम आयुष सिंह पिता अंशुमान सिंह18 वर्ष है. यह रामपुर कोठी झिरिया थाना सिविल लाइन के रहने वाले हैं. इन्हें 5 सितंबर की शाम करीब 5 बजे कुत्ते ने काट लिया था. कुत्ता काटने के बाद वह पीड़ित हालत मे किसी तरह संजय गांधी अस्पताल पहुंचे. उन्होंने शाम 5.39 बजे पर्ची कटवाई और फिर कैजुअल्टी पहुंचे. यहां पर कैजुअल्टी में पीजी ही मौजूद थे. यहां महिला पीजी छात्र थी. उन्होंने पर्चा देखा और बिना कुछ सोचे ही स्नेक बाइट का इंजेक्शन लगा दिया. युवक को लगा कि उसे कुत्ता काटने का ही इंजेक्शन लगाया गया है. वह निश्चित होकर घर पहुंच गया. जब उसने घर के लोगों को पर्ची दिखाई तो उसमें स्नेक बाइट लिखा था. उसके होश ही उड़ गए. वह वापस से फिर अस्पताल पहुंचा. शाम करीब 7.30 बजे फिर नई पर्ची डॉग बाइट की कटवाई और दोबारा कैजुअल्टी पहुंचा. वहां डॉक्टर को पूरी कहानी बनाई. तब उन्होंने सुधार किया और कुत्ता काटने का इंजेक्शन लगाया रीवा के स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में कोई सुधार नहीं हो रहा है. एक दिन पहले एक जिंदा आदमी को मुर्दा बना दिया था. वहीं दूसरे ही दिन फिर से इलाज में कोताही बरती गई. इससे यह तो साफ है कि संजय गांधी अस्पताल में इलाज कराना यानि मौत को गले लगाने जैसा है.

लगाया गलत इंजेक्शन

आयुष सिंह ने बताया कि उन्होंने अस्पताल में कैजुअल्टी में महिला चिकित्सक को डाग बाइट की जानकारी दी थी. इसके बाद भी उन्होंने स्नेक बाइट का इंजेक्शन लगा दिया. घर पहुंचने के बाद दोबारा अस्पताल पहुंचा फिर डॉग बाइट का इंजेक्शन लगाया गया.

गिरफ्तार | चीन-म्यांमार तक वन्यजीव तस्करी, 5 राज्यों में नेटवर्क, अब तक 8 गिरफ्तारियां

कुख्यात बाघ शिकारी शेरू पारधी और महिला साथी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

जबलपुर, 6 सितंबर. मध्य प्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स इकाई जबलपुर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाघों के शिकार और उनकी हड्डियों व अंगों की तस्करी में शामिल कुख्यात शिकारी शेरू पारधी उर्फ शेरू सिंह निवासी जिला कटनी को उसकी सहयोगी महिला बिनौरी बाई के साथ शहडोल जिले के ब्योहारी से गिरफ्तार कर लिया है.

यह शातिर शिकारी पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहा था. गिरफ्तारी के वक्त भी दोनों आरोपी ब्योहारी के जंगलों में किसी

वन्यजीव के शिकार की फिराक में घेराबंदी कर बैठे थे. मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने इन्हें दबोचा और मौके से छुरी, चाकू, कुल्हाड़ी और पक्षी पकड़ने का जाल बरामद किया है. यह पूरी कार्रवाई बालाघाट में हुए बाघ के शिकार और उसकी खाल व हड्डियों की अंतरराष्ट्रीय तस्करी मामले से जुड़ी है. इस बड़े रैकेट में एमपी एसटीएफ अब तक 5 राज्यों मध्य प्रदेश, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, मिजोरम और मेघालय से कुल 8 आरोपियों को जेल भेज चुकी है.

कुख्यात अजीत पारधी का भाई है शेरू

पकड़ा गया आरोपी शेरू पारधी कोई आम अपराधी नहीं है, बल्कि वह कुख्यात बाघ शिकारी अजीत पारधी का भाई है. शेरू के खिलाफ साल 2002 में कर्नाटक और 2013 में महाराष्ट्र में वन्यजीव अपराध के दो बड़े मामले दर्ज हैं, जिनकी जांच देश की शीर्ष एजेंसी सीबीआई कर रही है. महाराष्ट्र वन विभाग ने भी उसे लंबे समय से फरार घोषित कर रखा था. कोर्ट ने आरोपियों की गंभीरता को देखते हुए उन्हें 05 दिन की फॉरेस्ट रिमांड पर सौंप दिया है.

एंबुलेंस चालक से मारपीट कर नकदी-मोबाइल लूटे

छिंदवाड़ा. देहात थाना पुलिस ने एंबुलेंस चालक के साथ रास्ते में मारपीट कर लूट करने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार आरोपितों ने एंबुलेंस चालक को रास्ते में रोककर पहले विवाद किया, इसके बाद उसके साथ मारपीट की और नकदी व मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त कार भी जब्त की है. न्यायालय ले जाते वक्त पुलिस की कार खराब हो गई थी. इसलिए आरोपितों को पुलिस पैदल लेकर गई. हालांकि कार ठीक होने के बाद उन्हें वापस कार में ले जाया गया.

कूरियर में 40 लाख का सोना 'गायब' डिलीवरीकर्मी ही निकला चोर

11 चेनें लेकर निकला था पार्सल, आरोपी गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

नवभारत न्यूज

इंदौर, 6 सितंबर. सराफा व्यापारी के मुंबई से मंगाए गए सोने के कूरियर पार्सल से 11 चेनें गायब होने के मामले में पुलिस ने डिलीवरीकर्मी को गिरफ्तार कर लिया है. पार्सल खोलने पर 273.370 ग्राम सोना कम मिला था. जांच में डिलीवरीकर्मी रितिक पिता अशोक गोयल की भूमिका सामने आई.

पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई 11 सोने की चेनें बरामद कर ली हैं. इनकी कीमत 40 लाख

रुपए से अधिक बताई जा रही है. सराफा के एमके हाइट्स, शक्कर बाजार स्थित दुकान संचालक दिनेश सोनी ने 11 अगस्त को मुंबई की स्वर्णशिल्प ज्वैलर्स से सोने की चेनें मंगाई थीं. बीवीसी लॉजिस्टिक कूरियर के जरिए 791.570 ग्राम सोने की चेनें इंदौर भेजी गई थीं, 13 अगस्त को पार्सल इंदौर पहुंचा. इसके बाद गणेश नाम का कर्मचारी पार्सल लेकर सराफा में कारीगर के पास पहुंचा. यहां पार्सल खोलकर सोने का वजन किया तो 273.370 ग्राम सोना कम मिला. जांच करने पर पार्सल से 11 सोने की चेनें गायब मिलीं. इसके बाद दिनेश सोनी ने मुंबई के व्यापारी से संपर्क किया, वहां से माल पूरा भेजे जाने की बात कही गई. इसके बाद व्यापारी ने सराफा थाने में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने कूरियर से जुड़े लोगों और पार्सल की डिलीवरी से संबंधित जानकारी जुटाई.